

52651

कालसात
(ज्योतिष)

का

ज्ञा

भाइषटनतवे॥ ईदरमूलेनदेहं त्यजंति॥ इति मीनरासिफ
लं॥ ३॥ इति श्रीशिवेनाकृतकालज्ञानसमाप्तम्॥ अथ
ग्रहदानलिख्यते॥ रविष्येनश्चतुर्गोयुम्न॥ चंद्रमा
वार॥ चंद्रानचन्द्रसंघश्च चंदनं॥ २॥ कुजदानहृषात
व्यरक्तवस्तरं॥ ३॥ बुधदानहरिभुगुदश्चकरश्वरकर
रिवस्तरं॥ ४॥ शुकदानं॥ पीतपीतदानं च पीतवस्तर
द॥ शनिदानं कृष्णयन्त्रश्च तिलदानं॥ ५॥ राहुदण्डश्च
महिषीकुंगो॥ ६॥ केतौलेहितदानं॥ ७॥ इति ग्रहदानं॥

वर्ष ॥ ८५ ॥ मृत्युभाद्रपदमासे शुक्ल पक्षे सप्तम्यां मा
निवा सरे सुतमीषान्नक्षत्रं देहं त्यजंती ॥ इति उं भरा
सीगुणं ॥ ११ ॥ अथ मीनरासि विधीयत गुरुवासे
उत्तराभाद्रपदान्नक्षत्रं देवगुरुपूजितं ॥ कसनी
कयसवत ॥ यर्मवत ॥ राजपूजित कुटंभ प्रियः ॥ अ
ल्पवर्ष ॥ ५ ॥ वर्ष ॥ १८ ॥ वर्ष ॥ २३ ॥ वर्ष ॥ ३८ ॥ यदा
शुभग्रहस्तंति ॥ तदा जीवन्ति वर्ष ॥ ५ ॥ ७ ॥ मृत्युआ
षावमासो ॥ शुक्ल पक्षे ॥ अष्टम्या गुरुवासरे ॥ उत्तरा

यदा शुभग्रह रक्षिततदा जीवन्ती वर्ष ॥ १० ॥ मृत्यू ॥ आव
णामासे शुक्ल पक्षे चतुर्दश्या ॥ शनिवासरे ॥ अवा
णानक्षत्रे ॥ अथ मेषग्रह रेदे हन्त्यजती ॥ इति मकर
राक्षिगुणं ॥ ११ ॥ अथ कुंभराक्षी विथी ॥ सनिवासरे
सतभिषानक्षत्रे ॥ यशवतः ॥ बहूभाषारत बहू
बुद्धिपुत्रवन्तः ॥ सरविचक्षाणां ॥ प्रमादिक्रोधी ॥
हमाषते ॥ अल्पवर्ष ॥ १२ ॥ वर्ष ॥ १३ ॥ वर्ष ॥ १४ ॥ वर्ष
१५ ॥ वर्ष ॥ १५ ॥ यदा शुभग्रह रक्षिततदा जीवन्ती

श्रीविंथीगुरुवासरे । मूलहृदीनक्षत्रेयनवंतपुत्रवंत
 त्रवादी । वृज्जवासनीकेच्छया ॥ अल्प ॥ वपलं ॥ अल्पव
 र्ष ॥ ५ ॥ वर्ष ॥ १ ॥ वर्ष ॥ ५ ॥ यदापुमग्रहरक्षेत । तदा
 जीवन्ती ॥ वर्ष ॥ १० ॥ श्रीवमससुक्तपदे ॥ अष्टम्या
 गुरुवासरेउषालेनदेहेनासय ॥ इति यनरासिगु
 णां ॥ ८ ॥ अथसकररासिगुणंशानिवासरे ॥ अवा
 णानक्षत्रेपरक्षरान्तः ॥ सुसीलगुणावन्त ॥ अल्पव
 र्ष ॥ १ ॥ वर्ष ॥ २ ॥ वर्ष ॥ ३ ॥ वर्ष ॥ ५ ॥ वर्ष ॥ ५ ॥

का. सरेसातिनस्तत्रेप्रथमपहरेसरीगतेभवती॥ इति त्रला
जा. राशिगुणं॥ ७॥ अथ वृश्चिकरासीविधी॥ भौमवासरे
अनुराथानस्तत्रे॥ रथभोगीदेवगुरुभक्ताविषेककु
थ॥ अल्पक्षया॥ अल्पमैथुनवासनीकेकष्ट॥ वर्ष॥ १॥
वर्ष॥ २॥ वर्ष॥ ३॥ वर्ष॥ ४॥ यदाशुभग्रहरहेतु
तदाजीवतीवर्ष॥ ५॥ सूर्यजिष्टमासे॥ पंचम्या॥ नौ
मवासरे॥ अनुराथानस्तत्रे॥ अहिरात्रे॥ शेषमासे
गतनृत्यजंति॥ इति वृश्चिकरासीफल॥ अथथनरा

वर्ष॥३॥वर्ष॥४॥वर्ष॥५॥यदा शुभग्रहरक्षेततदा जीव
तीवर्ष॥५॥मृत्युर्ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे॥पंचम्यां॥भो मवा
श्रेष्ठार्द्धरात्रौ॥स्रशमारोगेन तत्रत्यज्येति॥इति कं
मशिगुणां॥अथ तलारा सिद्धिं धी॥भृगुवाशे स्वाति
नक्षत्रे॥सर्वरागी कर्मगताशी॥मैथुनपियुगं प्रमा
लप्रिय॥अल्पवृथा॥अल्पवर्ष॥१॥वर्ष॥३॥वर्ष॥४॥
वर्ष॥५॥यदा शुभग्रहरक्षेततदा जीवति॥वर्ष॥५॥
॥॥मृत्युर्वैशाखमासे शुक्लपक्षे॥पंचम्यां भृगुव

क. श्री रविवासरे॥ मासमासे॥ पूर्वा नक्षत्रे॥ धनभोगे॥ रास
ज्ञा. लदेवगुरुभक्तमयमालप्रियः॥ अल्पवर्ष॥ ध॥ वर्ष॥
वर्ष॥ २५॥ वर्ष॥ ध॥ यदा शुभग्रहरक्षेततदा स्त्रीदत्त
वर्ष॥ १०॥ मृत्युफालगुणमासे॥ सुक्लपक्षे॥ एकादश्या
रविवासरे॥ मन्वानक्षत्रे॥ मन्थाने॥ देहंत्यजति॥ प
वं सिंह रासी गुणा॥ अथ कल्याणशिविया॥ बुधना स
री हस्त वित्रानक्षत्रे यमप्रियः॥ यशवंतमजनप्रि
शरपंकटकावके परदाशरत कोयी॥ अल्पवर्ष॥ १३॥

भग्नहरक्षेत्र॥ तदा जीवन्ति वर्ष ॥ ७५ ॥ मृत्यु ॥ पौष
कृष्णपक्षे ॥ अष्टम्या ॥ बुधवासरे ॥ उद्वेसा सा देहं त्यजति ॥
पूर्वमिष्टुनरासिफलं ॥ ३ ॥ अथ कर्करासी विधा यत्ने ॥
चंद्रवासरे पुष्यनक्षत्रे बुधदेससी सौभाग्यवन्त ॥ तथा
गीक्रोथी ॥ अल्पवर्ष ॥ १२ ॥ वर्ष ॥ २१ ॥ वर्ष ॥ २० ॥ वर्ष ॥ ५६
वर्ष ॥ ६ ॥ यदा शुभग्नहरक्षेत्र ॥ तदा जीवन्ति वर्ष ॥ १० ॥
मृत्युमाचमासी ॥ अक्षपक्षे ॥ चतुर्दश्या ॥ चंद्रवासरे
पुष्यनक्षत्रे रात्रिपथे पहरं देहं त्यजति ॥ अथ सिद्धरासी

५८
जा.
राशवतः दसेननी ॥ अल्पमृत्युः ॥ वर्ष ॥ २२ ॥ वर्ष ॥ २३ ॥ वर्ष ॥ २४ ॥ वर्ष ॥ २५ ॥
वर्ष ॥ २६ ॥ यदा शुभग्रह रक्षेत तदा जावेति वर्ष ॥ ८५ ॥
शिवमासे कृष्णपक्षे अमावस्या तिथौ भृगुवासरे मृगशिरा
राशे हिणीनक्षत्रे ॥ अर्धरात्री अतिस्तारेण मृत्युमविष्णु ॥
एवं वृषराशी फले ॥ अथ मृगशिरा विधीयते ॥ पुनर्वसु
सरे ॥ पुनर्वसु नक्षत्रे ॥ सर्वांगसमकोमलः ॥ सुसूक्ष्मः ॥ मे
धुनप्रियः ॥ सोम्या गपवतः ॥ नानामतिसत्यवादी ॥
लप्रयः ॥ अल्पवर्ष ॥ ८ ॥ वर्ष ॥ २५ ॥ वर्ष ॥ २६ ॥ वर्ष ॥ २७ ॥ वर्ष ॥ २८ ॥ वर्ष ॥ २९ ॥ वर्ष ॥ ३० ॥

